भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या** 3857

उत्तर देने की तारीख 11 दिसंबर, 2019 (बुधवार)

20 अग्रहायण, 1941 (शक)

**प्रश्न**

**□हाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम**

3857. डॉ. लोरहो फोज़:

क्या उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम (एच.ए.डी.पी.) के अंतर्गत आरंभ की गई परियो□नाओं का ब्यौरा क्या है और इनके क्रियान्वयन की स्थिति क्या है;

(ख) एच.ए.डी.पी. के अंतर्गत मणिपुर के पहाड़ी □लों में किए गए परियो□ना के कार्यों का ब्यौरा क्या है और कार्यक्रम, यदि कोई हों, के क्रियान्वयन के समस्या वाले क्षेत्रों की स्थिति क्या है; और

(ग) क्या यह सच है कि मणिपुर पहाड़ी क्षेत्र के तीन □ले अर्थात् तमेंगलोंग, चंदेल और चूड़ा चाँदपुर मिश्रित □ला अवसंरचना सूचकांक में सबसे नीचे हैं और यदि हां, तो इन □लों को उत्तर पूर्व के अन्य □लों के समान लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. □तेन्द्र सिंह)

(क) और (ख) पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) एक पायलट परियो□ना है □से 90 करोड़ रूपये के परिव्यय के साथ दो वर्षों (2018-19 और 2019-20) की अवधि के लिए मणिपुर के तामलांग □ले (□से बाद में तामलांग और नोनी नामक दो □लों में बांट दिया गया) के लिए आरंभ किया गया है । एचएडीपी के तहत अभी तक 84.29 करोड़ रूपये की लागत वाली 40 परियो□नाओं को तामलांग और नोनी □लों के लिए मं□ूरी दी गई है । यह सभी परियो□नाएं अपने कार्यान्वयन के आरंभिक स्तर पर है।

(ग) □ी, हां । वर्ष 2009 में डोनर मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए पूर्वोत्तर □ला अवसंरचना इंडेक्स के अनुसार मणिपुर के तामलांग, चंदेल और चुड़ाचांदपुर □लों को पूर्वोत्तर में सबसे निम्नतम माना गया है । इन □लों को राज्य सरकार और भारत सरकार की विभिन्न स्कीमों के कार्यान्वयन के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य □लों के समकक्ष लाने के लिए निरंतर प्रयास किए □ा रहे हैं । एचएडीपी की पायलट परियो□ना इस संबंध में उठाए □ा रहे कदमों की सूचक है ।

*******